Need to investigate the reported supply of fake cough syrup in Varanasi, Uttar Pradesh-Laid

श्री वीरेन्द्र सिंह (चन्दौली) **:** मैं सरकार का ध्यान समूचे देश में बड़े पैमाने पर चल रहे नकली दवाओं के अवैध व्यापार की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूँ जो लाखों निर्दोष नागरिकों के जीवन से खिलवाड़ करने वाला संगठित अपराध बन चुका है । हाल ही में उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद में लगभग 100 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का नकली कफ सिरप बरामद किया गया, जिससे यह आशंका और भी प्रबल हो गई है कि इस काले कारोबार के पीछे बड़े-बड़े माफिया गिरोह सक्रिय हैं, जो नकली दवाओं का उत्पादन, भडारण और वितरण कर रहे हैं । यह भी संदेह प्रकट किया जा रहा है कि इस अवैध धंधे में कुछ तथाकथित सफेदपोश व्यक्तियों की संलिप्तता है, जिनके संरक्षण के बिना इतने बड़े स्तर पर नकली दवाओं का कारोबार चल पाना संभव नहीं लगता । इतना बड़ा रैकेट पकड़े जाने के बावजूद अभी तक किसी बड़े सरगना अथवा प्रमुख मास्टरमाइंड की ठोस एवं प्रभावी गिरफ्तारी सामने न आना गंभीर चिंता और संदेह का विषय है । इससे यह आशंका उत्पन्न होती है कि कहीं प्रभावशाली सफेदपोश लोगों को बचाने के लिए जाँच और कार्रवाई को दबाने या अटकाने का प्रयास तो नहीं किया जा रहा है । अतः मैं माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा माननीय गृहमंत्री से जानना चाहता हूँ कि वाराणसी में पकड़े गए 100 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के नकली कफ सिरप एवं उससे जुड़े रैकेट के संबंध में अब तक की गई जाँच, गिरफ्तारियों, एवं चार्जशीट मुकदमों की स्थिति क्या है तथा कितने आरोपियों की पहचान किंगपिन" या माफिया सरगना के रूप में की गई है? मैं सरकार से माँग करता हूँ कि इस प्रकरण में किसी भी प्रभावशाली सफेदपोश, राजनैतिक, प्रशासनिक अथवा अन्य व्यक्ति की संलिप्तता की जाँच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो जैसी किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाए, ताकि यह संदेह दूर हो सके कि ऐसे लोगों को बचाने का कोई प्रयास नहीं हो रहा ।